This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **231**

Unique Paper Code : **205155** **F**

Name of the Paper : **कथा एवं संस्मरण साहित्य**

Name of the Course : **B.A. (Programme) Hindi Discipline**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

1. प्रेमचन्दयुगीन हिंदी उपन्यास की विकास-यात्रा का उल्लेख कीजिए । 9

अथवा

प्रेमचन्दोत्तर हिंदी कहानी के विकास-क्रम पर विचार प्रकट कीजिए ।

2. "महादेवी वर्मा के संस्मरणों में सामाजिक यथार्थ का चित्रण हुआ है ।" स्पष्ट कीजिए । 9

अथवा

'संस्मरण साहित्य' के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए ।

3. किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 9

(क) "दुनिया में ऐसी साधुता कहाँ-कहाँ बरतोगे ! जगह-जगह उसकी जरूरत है और जहाँ पता चला नहीं कि तुम्हारी साधुता पर दावा करने वाले ढेरों लोग इकट्ठे हो जाएँगे । इससे अच्छा है, ऐसी मीठी-मीठी साधुताओं की बहक में आओ ही नहीं । यह बाबूजी की राय है पर कोई अच्छी-सी बेवकूफी करना ही चाहता है तो करे ।"

P.T.O.

अथवा

"जिसे देता हूँ, वही उसके चस्के में पड़ जाता है, और फिर परिश्रम से कटता और जी चुराता है । उद्योग चलाऊँ तो और रोग पीछे लग जाते हैं– मशीन का और केन्द्रित सम्पत्ति और केन्द्रित व्यवसाय का । पैदा करो, और खपाओ । कृत्रिम जरूरतें पैदा करा, परिग्रह बढ़ाओ, धन केन्द्रित हुआ, वहाँ श्रम का मूल्य गया, श्रम की गरिमा गयी, बस लाभ बढ़ाने की हविस चढ़ी ।"

('परख' से)

(ख) "मैं बूढ़ा जरूर हो आया हूँ, लेकिन बीते युगों की सड़ाँध का समर्थन किसी भी क़ीमत पर नहीं कर सकूँगा । भविष्य तेरे जैसे तरुणों के हाथों में है । राजाबहादुर रमादत्त सिंह की मौजूदा औलाद आज क्या कूबत अपने अन्दर रखती है, देख ही रहा है, तू !"

अथवा

"फिर उनके होंठ हिलने लगे । बिना दाँतों के मुँह में आहिस्ते-आहिस्ते चलती-फिरती जीभ बता रही थी कि तर्क-पंचानन कुछ मंत्र या श्लोक जैसी पंक्तियों का पारायण कर रहे हैं । मुझे लगा कि उस महावृद्ध की काँपती हुई उंगलियों में से होकर लम्बी आयु और स्वास्थ्य मेरे अन्दर प्रवेश कर रहे हैं ।"

('बाबा बटेसरनाथ' से)

(ग) "जिनसे ईश्वर को कार्य लेना होता है । उनके भाग्य की रेखाएँ वे दूसरों के पढ़ने के लिए स्पष्ट अंकित नहीं करते बेटी । मैं केवल इतना ही कह सकती हूँ, तुम परम सौभाग्यशालिनी हो, क्योंकि प्रभु ने तुम्हें अपने काम के लिए सिरजा है ।"

अथवा

"विलास की लहर ने अनेक अतृप्त एवं कुंठित कुल कामिनियों में गुप्त व्यभिचार की लहर दौड़ा दी थी । ईश्वर और धर्म-गुरुओं की खुले-आम हँसी उड़ाई जाती थी । नगर का प्रत्येक व्यक्ति क्षण को देखता और भोगता था, काल की व्यापकता में जीवन को देखने की उनकी क्षमता ही नष्ट हो चुकी थी ।"

('सुहाग के नूपुर' से)

4. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 15

(*i*) 'परख' उपन्यास के उद्देश्य का विवेचन कीजिए ।

अथवा

'परख' उपन्यास के 'सत्यधन' की चारित्रिक विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए ।

(*ii*) 'बाबा बटेसरनाथ' उपन्यास के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

"'बाबा बटेसरनाथ' उपन्यास में स्वतंत्रता-आन्दोलन का चित्रण हुआ है ।" स्पष्ट कीजिए ।

(*iii*) 'सुहाग के नूपुर' उपन्यास की मूल समस्या पर विचार कीजिए ।

अथवा

'सुहाग के नूपुर' उपन्यास के प्रमुख नारी पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

5. सप्रसंग ,व्याख्या कीजिए : 8

''यह रहस्य मानव हृदय का है, मेरा नहीं । राजकुमार, नियमों से यदि मानव-हृदय बाध्य होता तो आज मगध के राजकुमार का हृदय किसी राजकुमारी की ओर न खिंचकर एक कृषक-बालिका का अपमान करने न आता ।''

अथवा

''चोर से ज्यादा फिक्र थी आबरू की । किवाड़ न रहने पर पर्दा आबरू का रखवाला था । वह पर्दा भी तार-तार होते-होते एक रात आँधी में किसी भी हालत में लटकने लायक न रह गया । दूसरे दिन घर की एकमात्र पुश्तैनी चीज घर के दरवाजे पर लटक गई ।''

6. 'नमक का दारोगा' के 'वंशीधर' **अथवा** 'हंसा जाई अकेला' के 'हंसा' का चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 10

7. पृथ्वीराज कपूर को 'नाट्य-सम्राट' की संज्ञा क्यों दी गई ? स्पष्ट कीजिए । 15

अथवा

"'निराला की साहित्य साधना' में रामविलास शर्मा ने निराला के बहुमुखी व्यक्तित्व का चित्रण किया है ।" स्पष्ट कीजिए ।